

न्यायालय श्रीमान राज स्वामी महोदय सभाग ग्वालियर म0प्र0

प्र0क्र0 118 निगरानी - 3054/2018 / अशोकनगर/भू.रा

श्री. राज स्वामी महोदय
द्वारा आज दि. 17-5-18 को
प्रस्तुत। प्रारम्भिक तर्क हेतु
दिनांक 25-5-18 मित।

पुनर्
पत्रक ऑफ कोर्ट
राजस्थान मण्डल, म.प्र. ग्वालियर

पप्पू पुत्र गुलाबसिंह जाति यादव निवासी भौरा ईसागढ
तहसील ईसागढ जिला अशोकनगर म0प्र0

निगरानीकर्ता

बनाम

महेन्द्रसिंह पुत्र मानसिंह जाति यादव निवासी भौरा

तहसील ईसागढ जिला अशोकनगर म0प्र0

पुनर् निगरानीकर्ता

श्री. राज स्वामी महोदय
द्वारा आज दि. 12/5/18 को

निगरानी

धारा 50)म0प्र0भू0रा0सं0 1959 के तहत

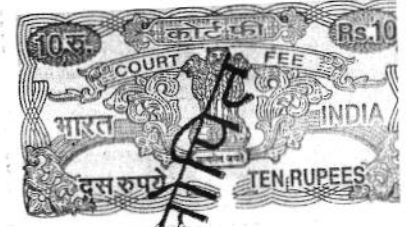
निगरानी विरुद्ध आदेश अधिनस्थ न्यायालय के श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी
महोदय ईसागढ के उनके प्र0क्र0 45अपील16-17 आदेश दिनांक 11/10/017
के विरुद्ध ।

माननीय महोदय

सेवा मे निगरानी और से अपील सादर निम्न प्रकार प्रस्तुत है


01/ यहकि भूमि स्थित ग्राम भौरा के सर्वक्रमांक 468 रकवा 0.125हे.स्थितहै जिस परअपीलांट काविज होकर आम रास्ते के उपयोग की है ।

02/ यहकि अधिन्सिज न्यायालय श्रीमान तेहसीलदार महोदयईसागढ ने अपने प्रकरण क्रमांक 101/अ 19/02-03 आदेश दिनांक 8/5/03 को सामलाती पट्टा प्रदान किया जो अवैधानिक होने से निरस्ती योग्य था क्योकि शासन द्वारा वर्ष 2002 मे ही पट्टा शामिलकब्जा पर रोक लगा दी थी तथा वर्ष 2002 के पूर्व मे ही सिफ हरिजन आदिवासीयो के लिये ही व्यवस्था पन के पात्रता थी जिस पर गौर न कर अधिनस्थ न्यायालय तहसीलदार ने



न्यायालय, राजस्व मण्डल, म0 प्र0, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 3054/2018/अशोकनगर/भू.रा.

| स्थान तथा दिनांक | कार्यवाही अथवा आदेश | पक्षकों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर |
|------------------|--|--|
| 23/11/19 | <p>आवेदक अधिवक्ता श्री सुनील सिंह जादौन उपस्थित। आवेदक के अधिवक्ता द्वारा यह प्रकरण इस न्यायालय में अनुविभागीय अधिकारी ईसागढ जिला अशोकनगर के प्रकरण क्रमांक 45/अपील/2016-17 में पारित आदेश दिनांक 11.10.17 के विरुद्ध म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अन्तर्गत निगरानी प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2- आवेदक के अधिवक्ता के तर्कों पर विचार करने एवं म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.9.2018 के हुये संशोधन अनुसार अनुविभागीय अधिकारी ईसागढ जिला अशोकनगर द्वारा पारित अंतिम आदेश दिनांक 11.10.17 के विरुद्ध सीधे राजस्व मण्डल में निगरानी सुनवाई योग्य नहीं रही है। अपितु संशोधन की संहिता की धारा 54 (क) सहपठित धारा 50 (1) (ग) के अनुसार अपर आयुक्त ग्वालियर के समक्ष सुनवाई योग्य है। तदनुसार प्रकरण अपर आयुक्त ग्वालियर की ओर निराकरण हेतु हस्तांतरित किया जाता है। पक्षकार दिनांक 29.3.19 को अपर आयुक्त ग्वालियर के समक्ष उपस्थित रहे।</p> <p style="text-align: right;"> सदस्य</p> <p><u>अपर आयुक्त ग्वालियर</u></p> | |